



# महाराष्ट्र शासन राजपत्र

## प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष १, अंक ४५] गुरुवार ते बुधवार, डिसेंबर ३-९, २०१५/अग्रहायण १२-१८, शके १९३७ [पृष्ठे ८, किंमत : रुपये १०.००

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी प्रत्येक विभागाच्या पुरवणीला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

## भाग एक-अमरावती विभागीय पुरवणी

### अनुक्रमणिका

| पृष्ठे   | पृष्ठे  |
|--|---|
| भाग एक-शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, पदोन्नती, अनुपस्थितीची रजा (भाग एक-अ, चार-अ, चार-ब व चार-क यांमध्ये प्रसिध्द करण्यात आलेले आहेत त्यांव्यतिरिक्त) केवळ अमरावती विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश. | भाग एक-अ.— (भाग चार-ब यामध्ये प्रसिध्द करण्यात आलेले आहेत त्यांव्यतिरिक्त) केवळ अमरावती विभागाशी संबंधित असलेले महाराष्ट्र जिल्हा परिषदा व पंचायत समित्या, ग्रामपंचायती, नगरपालिका बरो, जिल्हा नगरपालिका, प्राथमिक शिक्षण व स्थानिक निधी लेखापरीक्षा अधिनियम याअन्वये काढण्यात आलेले आदेश व अधिसूचना. |
| संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका इ. इ., केवळ अमरावती विभागाशी संबंधित असलेले नियम व आदेश.  | १-८   |

### शासकीय अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

नाही.

### संकीर्ण अधिसूचना : नेमणुका, इत्यादी

भाग १ (अ.वि.पु.). म.शा.रा., अ. क्र. १३७६.

### जिल्हाधिकारी, यांजकडून

भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३.

क्रमांक प्र.अ.-भूसं.-अका-कावि-१३३७-२०१५.—

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण ११-२०१४-प्र.क्र. ७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “उक्त अधिसूचना” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टरपेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरिता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल ;

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, अमरावती जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास या सोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “उक्त जमीन” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त सार्वजनिक प्रयोजन” असा केला आहे) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन मध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाचे कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे ;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावीत भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावीत) ;

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेला आहे;

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची पाच मध्ये दिलेला आहे, (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर, या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा).

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम ४ अनुसार कोणतीही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकपासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही.

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाचे अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यास विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देता येईल.

परंतु आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धीपुरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-यांकडून भरपाई दिल्या जाणार नाही.

तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “उक्त नियम” असा करण्यात आला आहे) यांच्या नियम १० च्या उप-नियम (३) द्वारे विहित केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्यावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), लघुसिंचन कामे, अमरावती, जिल्हाधिकारी कार्यालय, अमरावती यांना पदनिर्देशित करित आहे.

| अनुसूची - एक                                |                         |                 | अनुसूची—चालू |     |               |
|---|-------------------------|-----------------|--------------|-----|---------------|
| जमिनीचे वर्णन                               |                         |                 | (१)          | (२) | (३)           |
| भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ५-४७-२०१२-२०१३,     |                         |                 |              |     | हे. आर        |
| गाव-अळगगांव, तालुका-भातकुली, जिल्हा-अमरावती |                         |                 |              |     |               |
| अ. क्र.                                     | भूमापन किंवा गट क्रमांक | अंदाजित क्षेत्र | ११           | ३१  | ५ ५७          |
|   |                         |                 | १२           | ३४  | ० ८०          |
| (१)   | (२)                     | (३)             | १३           | ३४  | १ २०          |
|   |                         | हे. आर          |              |     | ० ०१ (पो. ख.) |
|   |                         |                 | १४           | ३७  | ० २०          |
| १   | ८                       | ० ८१            | १५           | ३८  | ० ८३          |
| २   | ११                      | ० ८३            | १६           | ४०  | १ ३३          |
| ३   | १२                      | ० ९१            |              |     | ० ०१ (पो. ख.) |
| ४   | १८/२                    | १ ३९            | १७           | ४६  | १ ००          |
|   |                         | ० ०२ (पो. ख.)   |              |     | ० ०१ (पो. ख.) |
| ५   | १८/३                    | १ ३३            | १८           | ४७  | ० ९०          |
|   |                         | ० ०८ (पो. ख.)   |              |     | ० ०१ (पो. ख.) |
| ६   | २४                      | ३ ००            | १९           | ४८  | १२ ११         |
|   |                         | ० २५ (पो. ख.)   | २०           | ४९  | १ ६१          |
| ७   | २५                      | १ ०५            | २१           | ५५  | १ ०९          |
| ८   | २६                      | १ ३५            | २२           | ६७  | ८ ३९          |
| ९   | २८                      | २ ५४            |              |     | ० ०३ (पो. ख.) |
| १०  | ३०                      | ६ ००            | २३           | ६८  | ७ ६७          |
|   |                         |                 |              |     | ० ०६ (पो. ख.) |

| अनुसूची—चालू |      |               | अनुसूची—चालू |       |               |
|--------------|------|---------------|--------------|-------|---------------|
| (१)          | (२)  | (३)<br>हे. आर | (१)          | (२)   | (३)<br>हे. आर |
| २४           | ८२   | ० ३९          | ६२           | २००   | ५ ३१          |
| २५           | ८३   | ० ५४          | ६३           | २०४   | ० १८          |
| २६           | ८४   | ० ७३          | ६४           | २०९   | ० ३६          |
|              |      | ० ०१ (पो. ख.) | ६५           | २११   | १ १९          |
| २७           | ८५   | ० ४०          | ६६           | २१४   | ५ ५०          |
|              |      | ० ०१ (पो. ख.) | ६७           | २१८   | ३ ४४          |
| २८           | ८६   | ५ ४५          |              |       | ० ०४ (पो. ख.) |
|              |      | ० ०३ (पो. ख.) | ६८           | २२७   | ४ ५२          |
| २९           | ८८   | २ ३२          | ६९           | २२८   | १० ३३         |
| ३०           | ८९   | १ ०३          |              |       | ० १५ (पो. ख.) |
| ३१           | ९०   | ७ ६३          | ७०           | २३०   | १ ६५          |
| ३२           | ९३   | ० ०५          |              |       | ० ०१ (पो. ख.) |
| ३३           | ९६/१ | ० ३०          | ७१           | २३४   | ० ९६          |
| ३४           | ९७/१ | ० ३९          | ७२           | २३६   | ० ६३          |
| ३५           | ९७/२ | ० ३४          | ७३           | २३९   | ० ५०          |
| ३६           | ९७/३ | ० ४७          | ७४           | २४०   | १ ६३          |
| ३७           | १००  | ० ४२          | ७५           | २४२   | ३ ३३          |
| ३८           | १०१  | ३ ०६          |              |       | ० ०३ (पो. ख.) |
| ३९           | १०३  | २ ४०          | ७६           | २४३   | १ ००          |
| ४०           | १०८  | २ ०६          | ७७           | २५३   | २ २०          |
|              |      | ० १४ (पो. ख.) |              |       | ० ०४ (पो. ख.) |
| ४१           | १११  | ० ३३          | ७८           | २५९   | ३ ६९          |
| ४२           | ११८  | ० ८२          | ७९           | २६२   | २ ००          |
| ४३           | १२१  | ० ८१          |              |       | ० ०५ (पो. ख.) |
| ४४           | १२२  | ० ७२          | ८०           | २६६   | २ ०९          |
| ४५           | १२३  | १ २०          | ८१           | २७६   | १ ६३          |
| ४६           | १२९  | ० ४६          |              |       | ० ०१ (पो. ख.) |
| ४७           | १३०  | ० २८          | ८२           | २७७   | ३ ११          |
| ४८           | १३८  | ३ १८          | ८३           | २७८   | ८ ५७          |
|              |      | ० ०७ (पो. ख.) | ८४           | २७९   | १ ८२          |
| ४९           | १५२  | २ ३८          | ८५           | २८०   | १ ६२          |
|              |      | ० १२ (पो. ख.) | ८६           | २८५   | १ ०३          |
| ५०           | १५६  | ० ३५          | ८७           | २८६   | ० ४०          |
| ५१           | १६०  | १ २८          | ८८           | २८७   | ० ८३          |
|              |      | ० १५ (पो. ख.) | ८९           | २९०   | ० ८३          |
| ५२           | १६३  | ० ४०          | ९०           | २९२   | २ ०७          |
| ५३           | १६४  | ८ ६०          | ९१           | २९३   | ० ७८          |
| ५४           | १७९  | ० ११          | ९२           | २९७   | ० ८२          |
|              |      | ० ०१ (पो. ख.) | ९३           | २९९/२ | १ ८२          |
| ५५           | १८१  | ० ८१          | ९४           | २९९/५ | २ ०२          |
| ५६           | १८७  | ० ५५          | ९५           | ३००   | ० ८५          |
| ५७           | १८८  | १ २७          | ९६           | ३०२   | २ ३१          |
| ५८           | १९०  | १ ८७          | ९७           | ३०३   | १ ६२          |
| ५९           | १९१  | ० ९०          | ९८           | ३०४   | ० ४०          |
| ६०           | १९५  | १ ६७          | ९९           | ३०५   | ० ८६          |
| ६१           | १९९  | ० ८८          | १००          | ३०७   | ० ०९ (पो. ख.) |
|              |      |               |              |       | ० २४          |

| अनुसूची—चालू |       |               | अनुसूची—चालू |                                      |               |
|--------------|-------|---------------|--------------|--------------------------------------|---------------|
| (१)          | (२)   | (३)<br>हे. आर | (१)          | (२)                                  | (३)<br>हे. आर |
| १०१          | ३०८   | ० ६३          | १३४          | ३५०                                  | ० ३८          |
| १०२          | ३०९   | ० ३०          | १३५          | ३५९                                  | २ ०२          |
| १०३          | ३१०   | ८ ८२          | १३६          | ३६०/१                                | १ ३२          |
|              |       | ० २२ (पो. ख.) | १३७          | ३६०/२                                | १ ६२          |
| १०४          | ३१२   | ० ९५          | १३८          | ३६०/३                                | ० ९०          |
| १०५          | ३१३   | ० ८१          | १३९          | ३६०/४                                | १ ००          |
| १०६          | ३१४   | ० ८१          | १४०          | ३६०/५                                | १ ९६          |
| १०७          | ३१६   | ० ७५          | १४१          | ६०                                   | ० ८१          |
| १०८          | ३२०   | ७ ४०          | १४२          | ३६१                                  | १ ९५          |
| १०९          | ३२१/१ | ० ८१          | १४३          | ३६२                                  | १ ०६          |
| ११०          | ३२१/२ | १ ५६          | १४४          | ३८०                                  | १ ६५          |
| १११          | ३२१/३ | १ ४६          | १४५          | ३८३                                  | ० ४४          |
| ११२          | ३२१/५ | ४ ४१          | १४६          | ३८४                                  | ० ०९          |
| ११३          | ३२२/१ | ० ८१          | १४७          | ३८५                                  | ० ०५          |
| ११४          | ३२२/२ | ४ ६४          | १४८          | ३८६                                  | ० ०७          |
| ११५          | ३२८   | ० ८८          | १४९          | ३८७                                  | ० १८          |
| ११६          | ३२९   | ० ३६          | १५०          | ३८८                                  | ० ७१          |
| ११७          | ३३०   | ० ५४          | १५१          | ३८८                                  | ० १५          |
|              |       | ० ०५ (पो. ख.) | १५२          | ३८९                                  | १ २७          |
| ११८          | ३३१   | ० ८१          | १५३          | ३९०                                  | १ २१          |
| ११९          | ३३२   | १ ६६          | १५४          | ३९१                                  | १ ४०          |
|              |       | ० ०२ (पो. ख.) | १५५          | ३९२                                  | ० ८२          |
| १२०          | ३३३   | १ ०८          | १५६          | ३९३                                  | ० ८२          |
|              |       | ० ०२ (पो. ख.) | १५७          | ३९५                                  | १ ०८          |
| १२१          | ३३४   | ० ८३          | १५८          | ४०१                                  | १ ६२          |
| १२२          | ३३७   | २ ५१          | १५९          | ४०६                                  | २ ६८          |
| १२३          | ३४०   | १ ६४          | १६०          | ४०८                                  | १ ३३          |
| १२४          | ३४१   | ० ८५          | १६१          | ४०९                                  | ० २३          |
| १२५          | ३४२   | ० ९०          | १६२          | २५९                                  | २ ४५          |
| १२६          | ३४४   | ० ७३          |              |                                      |               |
| १२७          | ३४६   | ० ४३          |              |                                      |               |
| १२८          | ३४८   | ० ९९          |              | एकूण क्षेत्र . .                     | २८४ ५५        |
| १२९          | ३४९   | ० ४१          |              |                                      |               |
| १३०          | ३४९   | ० ४०          |              | एकूण पो. ख. . .                      | १ ७५          |
| १३१          | ३४९   | ० ४०          |              |                                      |               |
| १३२          | ३४९   | ० ४०          |              | भूसंपादनाचे संपादित एकूण क्षेत्र . . | २८६ ३०        |
| १३३          | ३४९   | ० ४०          |              |                                      |               |

### अनुसूची-दोन

#### सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

|                        |   |
|------------------------|---|
| प्रकल्पाचे नाव         | — निम्न पेढी प्रकल्प, ता. भातकुली, जि. अमरावती.   |
| प्रकल्प कार्याचे वर्णन | — निभा येथे पेढी नदीवर धरण बांधून पाणी अडविणे व कालवे, वितरीका याद्वारे सिंचन सुविधा उपलब्ध करणे. सदर प्रकरणी निम्न पेढी प्रकल्पा अंतर्गत (निम्न पेढी प्रकल्पांच्या बुडीत क्षेत्राकरिता.) |

समाजाला मिळणारे लाभ

:— कोरडवाहू शेतीकरिता कालव्याद्वारे सिंचन सुविधा झाल्यानंतर कृषी उत्पादनात वाढ होईल. तसेच पिण्याचे व औद्योगिक वापराकरिता पाणी उपलब्ध होणार आहे. लोकांचे आर्थिक व सामाजिक राहणीमान उंचावणार असून शेतीला पुरक व्यवसाय व रोजगार मिळेल.

#### अनुसूची-तीन

बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे

:— निम्न पेढी प्रकल्पाचे धरणाचे बुडीत क्षेत्रातील हातुर्णा हे गाव पूर्णतः बाधित होत आहे. म्हणून विस्थापन करणे आवश्यक आहे. मौजा हातुर्णा येथील बुडीत क्षेत्रात जाणा-या शेत जमिनीचे सदर भूसंपादन करणे आवश्यक आहे.

#### अनुसूची-चार

##### पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश

सामाजिक प्रभाव निर्धारण सारांश.  
(सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास करणा-या  
अभिकरणाने दिलेला)

:— पेढी प्रकल्पाचे पर्यावरणीय परीणामाचे निर्धारण (EIA) केंद्र शासन पत्र क्र. ज.-१२०११-४०-२००७-१ अ-१, दि. २२-२-२००८ अन्वये उक्त अधिनियम, २०१३ मधील नियम, ६ (२) परंतुकानुसार सामाजिक प्रभाव निर्धारणाच्या (SIA) तरतुदी लागू नाहीत.

#### अनुसूची-पाच

##### नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

(अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात  
आलेल्या अधिका-याचे पदनाम

:— जिल्हा पुनर्वसन अधिकारी अमरावती

(ब) प्रशासनाच्या कार्यालयाचा पत्ता

:— जिल्हा पुनर्वसन अधिकारी, यांचे कार्यालय, जिल्हाधिकारी कार्यालय परिसर अमरावती.

(क) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात  
आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील

:— महाराष्ट्र शासन महसूल व वन विभागाची, अधिसूचना क्र. आरपीए-२०१५-प्र.क्र. १२९(१)-२-१, दिनांक २८ मे, २०१५.

**टीप-** उक्त जमिनीच्या आराखड्याची उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन) लघुसिंचन कामे, अमरावती जिल्हाधिकारी कार्यालय, अमरावती यांचे कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

दिनांक : ५ नोव्हेंबर, २०१५.

भाग १ (अ.वि.पु.). म.शा.रा., अ. क्र. १३७७.

**भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३.**

क्रमांक प्र.अ.-भुसं.-अ.का.-कावि-१६९४-२०१५.—

ज्याअर्थी, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण ११-२०१४-प्र.क्र. ७७-अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश “उक्त अधिसूचना” असा करण्यात आला आहे) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड-अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्राकरिता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात, अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल ;

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, अमरावती जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास या सोबत जोडलेल्या अनुसूची एक-मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश “उक्त जमीन” असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजनासाठी (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त सार्वजनिक प्रयोजन” करण्यात आला आहे) आवश्यक आहे, अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन-मध्ये दिलेले आहे.

आणि म्हणून, उक्त अधिनियमाचे कलम ११ च्या पोट-कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे ;

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमिसंपादनाच्या अनुषंगाने प्रकरणातील नमूद सर्व्हे क्रमांकातील जमिनीच्या भूसंपादनामुळे बाधीत व्यक्तींचे विस्थापन होत नाही. त्याची कारणे यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-तीन मध्ये दिलेली आहेत. (विस्थापन होणार असेल तर या अनुसूचीमध्ये कारणे नमूद करावीत) ;

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची-चार मध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी, कलम ४३ च्या पोट-कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची-पाच मध्ये दिलेला आहे, (नियुक्ती करणे आवश्यक असेल तर, या अनुसूचीमध्ये तपशील नमूद करावा) ;

त्याअर्थी, आता, असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम ४ अनुसार कोणतीही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधी पर्यंत उक्त जमिनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमिनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही ;

परंतु, उक्त जमिनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाचे अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यास विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देता येईल.

परंतु, आणखी असे की, कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धीपुरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-यांकडून भरपाई दिल्या जाणार नाही.

तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट-कलम (५) अनुसार जिल्हाधिकारी भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम, २०१४ (यात यापुढे ज्यांचा निर्देश “उक्त नियम” असा करण्यात आला आहे) यांच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहित केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्ययावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि म्हणून, त्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन, अधिकारी अचलपूर यांना पदनिर्देशित करित आहे.

### अनुसूची - एक

#### जमिनीचे वर्णन

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक ०९-४७-२००८-२००९,

गाव-राजना पुर्णा (मेघनाथपूर), तालुका-अचलपूर, जिल्हा-अमरावती.

| अ.क्र. | सर्व्हे नंबर/ गट नंबर | अंदाजे क्षेत्र |
|--------|-----------------------|----------------|
| (१)    | (२)                   | (३)            |
|        |                       | हे. आर         |
| १      | २९६                   | २ ९८           |

### अनुसूची-दोन

#### सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

|                     |  |
|---------------------|--|
| प्रकल्पाचे नाव      | :— पाझर तलाव मेघनाथपूर मौजा-राजना पुर्णा.  |
| प्रकल्पकार्याचे नाव | :— राजना पुर्णा येथे पाझर तलाव निर्माण करणे.   |
| समाजाला मिळणारे लाभ | :— या पाझर तलावाद्वारे जमिनीस अप्रत्यक्ष सिंचनाचा फायदा होत असून सार्वजनिक हितासाठी शेतातील विहीरीची पाण्याची पातळी वाढ, सिंचन सुविधा, मत्स्यव्यवसाय, गुरे ढोरांना पिण्याकरिता पाणी, इत्यादी ग्रामीण पायाभूत सुविधांचा लाभ होईल. |

### अनुसूची-तीन

|   |  |
|---|--|
| बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे | :— प्रस्तावात नमूद प्रकरणातील भूसंपादित सर्व्हे क्रमांक मधील जमिनीमध्ये कोणतीही व्यक्ती किंवा कुटुंब विस्थापित होत नाही. |
|---|--|

## अनुसूची-चार

## पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश

सामाजिक प्रभाव निर्धारण सारांश.  
(सामाजिक प्रभाव निर्धारण अभ्यास करणा-या  
अभिकरणाने दिलेला)

:— भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क व अधिनियम, २०१३ चे कलम १० (क) व त्याअनुषंगाने महाराष्ट्र शासन राजपत्र असाधारण भाग ४ अ महसूल व वन विभाग, मुंबई दिनांक १३ मार्च, २०१५ मधील अधिसूचनेअन्वये सामाजिक प्रमाण निर्धारणातून सूट देण्यात आली आहे.

## अनुसूची-पाच

## नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशील

(अ) प्रशासक म्हणून नियुक्त करण्यात  
आलेल्या अधिका-याचे पदनाम

:— प्रस्तावात नमूद भूसंपादित सर्व्हे क्रमांक मधील जमीन प्रकल्पाकरिता संपादित कराव्याची असल्यामुळे व प्रस्तावित जमिनीत पुनर्वसन व पुनर्वसाहत होत नाही म्हणून प्रशासक नियुक्तीची आवश्यकता नाही.

(ब) प्रशासनाच्या कार्यालयाचा पत्ता

:— निरंक.

(क) ज्या अधिसूचनेद्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात  
आली आहे त्या अधिसूचनेचा तपशील

:— निरंक.

**टीप-** उक्त जमिनीच्या आराखड्याची उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, अचलपूर यांच्या कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

अचलपूर :

दिनांक : ९ नोव्हेंबर २०१५.

भाग १ (अ.वि.पु.). म.शा.रा., अ. क्र. १३७८.

## शुद्धीपत्र

क्रमांक-मं.अ.-उपजिभूसं-लसिकामे-कावी-९७०-२०१५.—

मा. जिल्हाधिकारी अमरावती यांचे कलम ११ प्रसिद्धी पत्र क्रमांक प्र.अ.-भूसं.-अ.का.-कावि-०८-२०१५, दिनांक २४-३-२०१५, अन्वये उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), लघुसिंचन कामे अमरावती यांचेकडील भूसंपादन प्रकरण क्रमांक २३-४७-२०१२-१३ मौजा पेढी, ता. भातकुली, जि. अमरावती या प्रकरणात कलम ११ ची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र भाग एक अमरावती विभागीय पुरवणी, दिनांक जून २५-जुलै १, २०१५ ला पान ६-७ अनुक्रमांक ६२१ वर प्रसिद्ध झालेली आहे. सदर अधिसूचनेत पुढीलप्रमाणे दुरुस्ती वाचावी.—

संपादनाचे प्रयोजन :-निम्न पेढी प्रकल्पांतर्गत डाव्या मुख्य कालव्याच्या बांधकामाकरिता.

| या करिता |                          |                | कृपया असे वाचावे  |                |
|----------|--------------------------|----------------|---|----------------|
| अ.क.     | सर्व्हे नंबर/<br>गट नंबर | अंदाजे क्षेत्र | सर्व्हे नंबर/<br>गट नंबर                                      | अंदाजे क्षेत्र |
|          |                          | हे.आर          |   | हे. आर         |
| ४        | ९९                       | १ ००           | निरंक   | निरंक          |
|          |                          |                | सरकारी जमीन असल्यामुळे कलम ११ चे अधिसूचने मधून वगळण्यास यावे. |                |

उक्त नमूद अधिसूचनेमधील इतर मजकुरात कोणताही बदल नाही.

अमरावती:

दिनांक ६ नोव्हेंबर २०१५.

किरण गिते,

जिल्हाधिकारी, अमरावती.

भाग १ (अ.वि.पु.). म.शा.रा., अ. क्र. १३७९.

## उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), यांजकडून

## शुद्धीपत्र

क्रमांक-कली-विभूअ-लाक्षे-कावि-२१२-२०१५.—

उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), लाभक्षेत्र, यवतमाळ यांचे कार्यालयातील भूसंपादन प्रकरण क्रमांक २-४७-२०१५-१६ मौजा गोरेगांव, ता. दारव्हा मध्ये कलम ११ ची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र, भाग एक अमरावती विभागीय पुरवणी मध्ये दिनांक सप्टेंबर, १७-२३-२०१५ अनुक्रमांक १०४७ वर प्रसिद्ध झालेली आहे. त्यात पुढीलप्रमाणे दुरुस्ती वाचावी.—

| या करीता   |                          | असे वाचावे |                           |
|------------|--------------------------|------------|---------------------------|
| गट क्रमांक | संपादित क्षेत्र<br>हे.आर | गट क्रमांक | संपादित क्षेत्र<br>हे. आर |
| ११६        | ० १५                     | ११६        | ० २७                      |
| ११८        | ० १८                     | ११८        | ० २०                      |
| १६३        | ० २४                     | १६३        | ० २५                      |
| १६४/१      | ० १२                     | १६४/१      | ० १२                      |
| १६४/२      | ० २३                     | १६४/२      | ० २५                      |
| एकूण . .   |                          | एकूण . .   | १ ०९                      |

दिनांक १ डिसेंबर, २०१५.

भाग १ (अ.वि.पु.). म.शा.रा., अ. क्र. १३८०.

## शुद्धीपत्र

क्रमांक-कली-विभूअ-लाक्षे-कावि-२१३-२०१५.—

उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन), लाभक्षेत्र, यवतमाळ यांचे कार्यालयातील भूसंपादन प्रकरण क्रमांक २-४७-२०१५-१६ मौजा गोरेगांव, ता. दारव्हा मध्ये कलम ११ ची अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र, भाग एक अमरावती विभागीय पुरवणी, दिनांक सप्टेंबर १७-२३, २०१५, पान ६१६३ अनुक्रमांक १०४८ वर प्रसिद्ध झालेली आहे. त्यात पुढीलप्रमाणे दुरुस्ती वाचावी.—

| या करीता   |                          | कृपया असे वाचावे |                           |
|------------|--------------------------|------------------|---------------------------|
| गट क्रमांक | संपादित क्षेत्र<br>हे.आर | गट क्रमांक       | संपादित क्षेत्र<br>हे. आर |
| ८२         | २ ७८                     | ८१               | १ ४८                      |
| ८१         | ० ५९                     | ८२               | २ ७८                      |
| ८९         | ० १८                     | ८४               | १ ६८                      |
| ८५         | ० २८                     | ८५               | ० ६८                      |
| ८५         | ० ४०                     | ८९               | ० १८                      |
| ८४         | ० ७०                     | -                | -                         |
| एकूण . .   |                          | एकूण . .         | ६ ८०                      |

यवतमाळ :  
दिनांक २ डिसेंबर २०१५.

(अवाच्य),  
उपजिल्हाधिकारी (भूसंपादन),  
लाभक्षेत्र, यवतमाळ.